समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
	1-2-24		

THE TIMES OF INDIA
INDIA'S LARGEST ENGLISH NEWSPAPER

Hisar varsity develops new wheat variety

Kumar Mukesh | TNN

Hisar: The wheat and barley section of Chaudhary Charan Singh Haryana Agricultural University has developed a new variety of wheat, WH 1402, which gives higher yield in two irrigations and moderate fertilizers, vice-chancellor Prof B R Kamboj informed. He said this variety had been identified for the northwestern plains of India, including Punjab, Haryana, Rajasthan, Delhi, Himachal Pradesh, Uttarakhand, and Jammu and Kashmir.

The V-C said the new variety can produce an average yield of 50 quintals per hectare and maximum 68 quintals per hectare, in just two irrigations. "This variety is resistant against yellow rust, brown rust and other diseases. Also, this variety produces 7.5% more yield than NIAW 3170 — a good variety in low water zone areas" he said.

Kamboj said the new variety had been developed at the national level for sandy, less fertile and less water areas. TNN

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	1-2-24	4	1-4

भास्कर खास • कृषि विश्वविद्यायल के स्थापना दिवस पर कल होगा समारोह

एचएयू से जुड़े पदमश्री पाने वाले पूर्व वैज्ञानिकों, सेना अधिकारी और किसानों को विवि करेगा सम्मानित

भास्कर न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस पर कृषि व अन्य क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर पदमश्री पुरस्कार पाने वाले 10 पूर्व वैज्ञानिकों, समाजसेवी, सेना अधिकारी व प्रगतिशील किसानों को वीसी प्रो. बी.आर. काम्बोज सम्मानित करेंगे। दो फरवरी को एचएयू के स्थापना दिवस पर अनेक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिनमें 2 व 3 को पुस्तक प्रदर्शनी, एचएयू में बनी नई प्रयोगशाला और फ्लैचर भवन व कैंपस स्कूल के सभागार एवं पुस्तकालय के नवीनीकरण से जुड़ी परियोजनाओं का उद्घाटन किया जाएगा।

विवि के कुलसचिव डॉ. बलवान सिंह मंडल ने बताया कि चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस पर पदमश्री पुरस्कार विजेताओं को सम्मानित किया जाएगा, जिसमें विवि से जुड़े पूर्व वैज्ञानिक डॉ. आरसी सिहाग, डॉ. हरिओम व पूर्व कुलपति डॉ. जेबी चौधरी और गन्ना प्रजनक डॉ. बक्शी राम यादव भी शामिल हैं। इसके अलावा हरियाणा कला परिषद के निदेशक

महाबीर सिंह गुड्डू, सामाजिक कार्यकर्ता गुरविंदर सिंह, तीन प्रगतिशील किसान जिनमें करनाल स्थित नीलोखेड़ी निवासी सुल्तान सिंह भुटाना, सोनीपत स्थित अटरीना निवासी कनवल सिंह चौहान व पानीपत निवासी नरेंद्र डिडवारी शामिल है और एचएयू के एल्युमिनाई विशिष्ट सेना मेडल से सम्मानित मेजर जनरल प्रमोद बतरा भी सम्मानित किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि कृषि, कला व समाज सहित अन्य क्षेत्र में बेहतरीन कार्य करने पर चयनित विजेताओं को पदमश्री अवार्ड से सुशोभित किया गया था। सम्मान समारोह का आयोजन मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के सभागार में आयोजित किया जाएगा।

पुस्तक प्रदर्शनी में सामान्य पाठक भी खरीद सकेंगे पुस्तकें

परिग्रहण विभाग के अध्यक्ष डॉ. राजीव कुमार पटेरिया ने बताया कि विवि के नेहरू पुस्तकालय में 2 व 3 फरवरी को पुस्तक प्रदर्शनी लगाई जाएगी, जिसमें एग्रीकल्चरल साइंसेज, एग्रीकल्चरल इंजीनियरिंग, अग्रि-बिजनेस, अलाइड साइंसेज, फूड साइंस एंड टेक्नोलॉजी, होम साइंसेज, फिशरीज व जनरल नॉलेज आदि विषयों की पुस्तकों को प्रदर्शित किया जाएगा। इस पुस्तक प्रदर्शनी में सामान्य पाठक अपने आवश्यकता की पुस्तकें खरीद सकते हैं। कुलसचिव ने बताया कि इसी कड़ी में 4 करोड़ की लागत से फ्लैचर भवन, 2.18 करोड़ की लागत से कैंपस स्कूल के सभागार व पुस्तकालय के हुए नवीनीकरण परियोजनाओं और विश्वविद्यालय के मत्स्य कॉलेज में 53 लाख रुपए की लागत में बनी नई स्नातक प्रयोगशाला का उद्घाटन कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज द्वारा उद्घाटन किया जाएगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	1-2-24	4	3-4

पूर्व वैज्ञानिकों, समाजसेवी, सेना अधिकारी और प्रगतिशील किसान होंगे सम्मानित

हकृवि का गेट नंबर-4 का स्वर्ण जयंती द्वार ।। • पीआरओ

जासं, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस पर कृषि व अन्य क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर पदमश्री पुरस्कार पाने वाले 10 पूर्व वैज्ञानिकों, समाजसेवी, सेना अधिकारी व प्रगतिशील किसानों को कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज सम्मानित करेंगे। दो फरवरी को हकृवि के स्थापना दिवस पर अनेक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इनमें 2 व 3 को पुस्तक प्रदर्शनी, विश्वविद्यालय में बनी नई प्रयोगशाला और फ्लैचर भवन व कैंपस स्कूल के सभागार एवं पुस्तकालय के नवीनीकरण से जुड़ी परियोजनाओं का उद्घाटन किया जाएगा। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डा. बलवान सिंह मंडल ने बताया कि विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस पर पदमश्री पुरस्कार विजेताओं को सम्मानित किया जाएगा। इसमें विश्वविद्यालय से जुड़े पूर्व वैज्ञानिक डा. आरसी सिहाग, डा. हरिओम व पूर्व कुलपति डा. जेबी चौधरी और गन्ना प्रजनक डा. बक्शी राम यादव भी शामिल है। इसके अलावा हरियाणा कला परिषद के निदेशक महाबीर सिंह गुड्डू, सामाजिक कार्यकर्ता गुरविंदर सिंह, तीन प्रगतिशील किसान जिनमें करनाल स्थित नीलोखेड़ी निवासी सुल्तान सिंह भुटाना, सोनीपत स्थित अटरीना निवासी कनवल सिंह चौहान व पानीपत निवासी नरेंद्र डिडवारी शामिल है और हकृवि के एल्युमिनाई विशिष्ट सेना मेडल से सम्मानित मेजर जनरल प्रमोद बतरा भी सम्मानित किए जाएंगे।

4 करोड़ की लागत से फ्लैचर भवन, 2.18 करोड़ की लागत से कैंपस स्कूल के सभागार व पुस्तकालय के हुए नवीनीकरण परियोजनाओं और विश्वविद्यालय के मत्स्य महाविद्यालय में 53 लाख रुपये की लागत में बनी नई स्नात्तक प्रयोगशाला का उद्घाटन कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज द्वारा उद्घाटन किया जाएगा। परिग्रहण विभाग के अध्यक्ष डा. राजीव कुमार पटेरिया ने बताया कि विश्वविद्यालय के नेहरू पुस्तकालय में 2 व 3 फरवरी को पुस्तक प्रदर्शनी लगाई जाएगी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	1-2-24	4	2-3

पद्मश्री वैज्ञानिकों, समाजसेवी, सेना अधिकारी और किसानों को सम्मानित करेगी एचएयू

कल विवि के स्थापना दिवस पर होगा कार्यक्रम, पुस्तक प्रदर्शनी के साथ नई प्रयोगशाला

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) के स्थापना दिवस पर कृषि व अन्य क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर पद्मश्री पुरस्कार पाने वाले 10 पूर्व वैज्ञानिकों, समाजसेवी, सेना अधिकारी व प्रगतिशील किसानों को कुलपति प्रो. बीआर कांबोज सम्मानित करेंगे। दो फरवरी को एचएयू के स्थापना दिवस पर कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

इनमें 2 व 3 को पुस्तक प्रदर्शनी, विश्वविद्यालय में बनी नई प्रयोगशाला और फ्लैचर भवन व कैंपस स्कूल के सभागार एवं पुस्तकालय के नवीनीकरण से जुड़ी परियोजनाओं का उद्घाटन किया जाएगा।

विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. बलवान सिंह मंडल ने बताया कि एचएयू के स्थापना दिवस पर पद्मश्री पुरस्कार विजेता पूर्व वैज्ञानिक डॉ. आरसी सिहाग, डॉ. हरिओम, पूर्व कुलपति डॉ. जेबी चौधरी, गन्ना प्रजनक डॉ. बक्शी राम यादव शामिल हैं। इसके अलावा हरियाणा कला परिषद के निदेशक महाबीर सिंह गुड्डू, सामाजिक कार्यकर्ता गुरविंदर सिंह, प्रगतिशील किसान करनाल नीलोखेड़ी निवासी सुल्तान सिंह भुटाना, सोनीपत अटरीना निवासी कनवल सिंह चौहान, पानीपत निवासी नरेंद्र डिडवारी को सम्मानित करेंगे। एल्युमिनाई विशिष्ट सेना मेडल से सम्मानित मेजर जनरल प्रमोद बतरा को भी सम्मान मिलेगा।

समारोह मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के सभागार में आयोजित होगा। 4 करोड़ की लागत से फ्लैचर भवन, 2.18 करोड़ की लागत से कैंपस स्कूल के सभागार, पुस्तकालय के हुए नवीनीकरण परियोजनाओं और विश्वविद्यालय के मत्स्य महाविद्यालय में 53 लाख रुपये की लागत में बनी नई प्रयोगशाला का उद्घाटन कुलपति करेंगे। ब्यूरो

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक ट्रिब्यून	1-2-24	7	7-8

पद्मश्री पाने वाली हस्तियों को सम्मानित करेगी हकृवि

हिसार (हप्र) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस पर कृषि व अन्य क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर पदमश्री पुरस्कार पाने वाले 10 पूर्व वैज्ञानिकों, समाजसेवी, सेना अधिकारी व प्रगतिशील किसानों को कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज सम्मानित करेंगे। दो फरवरी को हकृवि के स्थापना दिवस पर अनेक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिनमें २ व ३ को पुस्तक प्रदर्शनी, विश्वविद्यालय में बनी नई प्रयोगशाला और फ्लैचर भवन व कैंपस स्कूल के सभागार एवं पुस्तकालय के नवीनीकरण से जुड़ी परियोजनाओं का उद्घाटन किया जाएगा। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. बलवान सिंह मंडल ने बताया कि चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस पर पदमश्री पुरस्कार विजेताओं को सम्मानित किया जाएगा, जिसमें विश्वविद्यालय से जुड़े पूर्व वैज्ञानिक डॉ. आर.सी सिहाग, डॉ. हरिओम व पूर्व कुलपति डॉ. जे.बी. चौधरी, और गन्ना प्रजनक डॉ. बक्शी राम यादव भी शामिल है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	1-2-24	3	6

हकृवि के स्थापना दिवस पर पूर्व वैज्ञानिकों व प्रगतिशील किसानों को किया जाएगा सम्मानित

हिसार, 31 जनवरी (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस पर कृषि व अन्य क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर पदमश्री पुरस्कार पाने वाले 10 पूर्व वैज्ञानिकों, समाजसेवी, सेना अधिकारी व प्रगतिशील किसानों को कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज सम्मानित करेंगे।

दो फरवरी को हकृवि के स्थापना दिवस पर अनेक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिनमें 2 व 3 को पुस्तक प्रदर्शनी, विश्वविद्यालय में बनी नई प्रयोगशाला और फ्लैचर भवन व कैंपस स्कूल के सभागार एवं पुस्तकालय के नवीनीकरण से जुड़ी परियोजनाओं का उद्घाटन किया जाएगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	1-2-24	4	1-4

गेहूं के पत्तों पर सफेद या हल्के-पीले धब्बे, पीले रतुए से भी फसल को बचाएं

ठंड, धुंध से गेहूं की फसल में आ सकती है जस्ते की कमी, निवारण को जिंक सल्फेट का छिड़काव करें

यशपाल सिंह | हिसार

बादल व धुंध छाए रहने व तापमान में गिरावट के कारण गेहूं की पछेती फसल में जस्ते की कमी हो सकती है। फसल पर नीचे की दो पत्तियों को छोड़ अन्य पत्तियों का हरा रंग उड़कर हल्का हो जाता है। इसके बाद पत्तों के मध्य में सफेद या हल्के-पीले रंग के छोटे-छोटे धब्बे बन जाते हैं। इसके निवारण के लिए फसल की पत्तियों पर 0.5% जिंक सल्फेट का छिड़काव करें। एक एकड़ फसल पर छिड़कने के लिए 200 लीटर घोल की आवश्यकता होगी, जिसके लिए 1.0 किलोग्राम जिंक सल्फेट लगेगा। यह सलाह चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर. काम्बोज ने किसानों को दी है।

जिंक सल्फेट की तासीर तेजाबी होती है। इसे उदासीन करने को 0.25% चूने का घोल या 2.5% यूरिया का घोल 200 लीटर पानी के लिए 5 किलोग्राम यूरिया खाद यदि फसल में नाइट्रोजन की कमी हो तो प्रयोग करना चाहिए। जस्ते की लगातार कमी बने रहने पर धब्बे आकार में बड़े हो जाते हैं। अत्यधिक कमी में नई पत्तियां तथा मुख्य तनों पर भी, जहां पत्तियां मिलती हैं, वहां पर भूरे-पीले धब्बे बन जाते हैं। कई बार पत्ती के बीच का भाग मुख्य सिरे को छोड़कर पूरा सूख जाता है परंतु पत्ती की नोक की ओर का हिस्सा हरा बना रहता है। पत्ती नीचे को लटक जाती है। पौधे की गांठों के बीच की दूरी घट जाती है, बढ़वार कम हो जाती है, फसल में बालें देर से आती हैं तथा बाल में दानों की संख्या कम बनती है। कमी को दूर न किया तो उपज में बहुत गिरावट आ जाती है।

ओस से भीगी व शाम को फसल पर छिड़काव न करें

हिसार | गांधी नगर के खेत में खड़ी गेहूं की फसल।

वैज्ञानिक डॉ. ओपी बिश्नोई ने बताया कि गेहूं की पछेती फसल में जस्ते की कमी से निजात पाने के लिए पहले ज़िंक सल्फेट तथा चूना या यूरिया का घोल 9-10 लीटर पानी में अलग-2 बना लेना चाहिए। फिर मलमल के बारीक कपड़े से छानकर दोनों घोलों को मिलाकर घोल की पूरी मात्रा 200 लीटर बना लें। उन्होंने बताया कि 15-15 दिन के अंतर पर 2 छिड़काव करें। ओस से भीगी फसल पर, तेज हवा या शाम के समय छिड़काव न करें। यदि किसी कारणवश छिड़काव से फसल जल जाए तो फसल को पानी लगा दें।

मैंगनीज की कमी में पत्तियों पर भूरे-पीले रंग की बनती है धारियां

मैंगनीज की कमी गेहूं की प्रारंभिक अवस्था, बालियां निकलने के समय दिखाई देनी शुरू होती है। पत्तियों पर भूरे-पीले धारियां बनती हैं। खड़ी फसल में 0.5% मैंगनीज सल्फेट के घोल का 10-15 दिन के अंतर पर 3 से 4 छिड़काव करें। पहला छिड़काव पहली सिंचाई से पहले व शेष सिंचाई के बाद करें।

गेहूं की फसल में पीले रतुए से बचाव को यह करें

गेहूं की फसल में पीले रतुए के लक्षण होने पर बचाव के लिए फसल पर 800 ग्राम जिनेब डाईथेन जेड-78 या मैन्कोजेब डाइथेन एम-45 या प्रोपीकोनाजोल 25% ईसी, 200 मिली. को 250 लीटर पानी में घोल बनाकर प्रति एकड़ छिड़काव करें और आवश्यकता पड़ने पर 10 या 15 दिन के अंतर पर दोहराएं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पान्च बजे	31.01.2024	--	--

पुस्तक प्रदर्शनी, नई प्रयोगशाला व नवीनीकरण से जुड़ी परियोजनाओं का किया जाएगा उद्घाटन

हकृवि के स्थापना दिवस पर विश्वविद्यालय से जुड़े पदमश्री पाने वाले पूर्व वैज्ञानिकों, समाजसेवी, सेना अधिकारी व प्रगतिशील किसानों को किया जाएगा सम्मानित

पांच बजे ब्यूरो

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस पर कृषि व अन्य क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर पदमश्री पुरस्कार पाने वाले 10 पूर्व वैज्ञानिकों, समाजसेवी, सेना अधिकारी व प्रगतिशील किसानों को कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज सम्मानित करेंगे। दो फरवरी को हकृवि के स्थापना दिवस पर अनेक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिनमें 2 व 3 को पुस्तक प्रदर्शनी, विश्वविद्यालय में बनी नई प्रयोगशाला और फ्लैचर भवन व कैम्पस स्कूल के सभागार एवं पुस्तकालय के नवीनीकरण से जुड़ी परियोजनाओं का उद्घाटन किया जाएगा।

विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. बलवान सिंह मंडल ने बताया कि चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस पर पदमश्री पुरस्कार विजेताओं को सम्मानित किया जाएगा, जिनमें विश्वविद्यालय से जुड़े पूर्व वैज्ञानिक डॉ. आर.बी. सिंह, डॉ. हरिओम व पूर्व कुलपति डॉ. जे.बी. चौधरी और भ्रूण प्रजनक डॉ. कर्णी राम यादव भी शामिल हैं। इसके अलावा हरियाणा कला परिषद के निदेशक महावीर सिंह गुड्डू, सामाजिक कार्यकर्ता गुरविंदर सिंह, तीन प्रगतिशील किसान जिनमें करनाल स्थित नीलोखेड़ी निवासी सुल्तान सिंह बुटाना, सोनीपत जिला अटेरना निवासी कंवल सिंह चौहान व पानीपत निवासी नरेंद्र सिंह शामिल हैं और हकृवि के एल्युमिनाई विशिष्ट सेवा मेडल से सम्मानित मेजर जनरल प्रदीप बाली भी सम्मानित किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि कृषि, कला व समाज सहित अन्य क्षेत्र में बेहतरीन कार्य करने पर चयनित विजेताओं को पदमश्री अवार्ड से सुशोभित किया गया था। सम्मान समारोह का आयोजन मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के सभागार में आयोजित किया जाएगा।

कुलसचिव ने बताया कि इसी कड़ी में 4 करोड़ की लागत से फ्लैचर भवन, 2.18 करोड़ की लागत से कैम्पस स्कूल के सभागार व पुस्तकालय के हुए नवीनीकरण परियोजनाओं और विश्वविद्यालय के [illegible] महाविद्यालय में 53 लाख रुपये की लागत से बनी नई [illegible] प्रयोगशाला का उद्घाटन कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज द्वारा उद्घाटन किया जाएगा।

दो दिवसीय पुस्तक प्रदर्शनी में सामान्य पाठक भी खरीद सकेंगे पुस्तकें

[illegible] विभाग के अध्यक्ष डॉ. [illegible] कुमार [illegible] ने बताया कि विश्वविद्यालय के नेहरू पुस्तकालय में 2 व 3 फरवरी को पुस्तक प्रदर्शनी लगाई जाएगी, जिसमें एग्रीकल्चरल साइंसेज, एग्रीकल्चरल इंजीनियरिंग, एग्री-बिजनेस, अलाइड साइंसेज, फूड साइंस एंड टेक्नोलॉजी, होम साइंसेज, फिशरीज व जनरल सीरीज इत्यादि विषयों की पुस्तकों को प्रदर्शित किया जाएगा। इस पुस्तक प्रदर्शनी में 15 जाने-माने पब्लिशर्स हिस्सा लेंगे। विश्वविद्यालय की फैकल्टी द्वारा चयनित की गई पुस्तकों का अधिग्रहण नेहरू पुस्तकालय में पाठकों की सूचना आवश्यकता की पूर्ति के लिए किया जाएगा। इस पुस्तक प्रदर्शनी से सामान्य पाठक भी अपनी आवश्यकता की पुस्तकें खरीद सकते हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	31.01.2024	--	--

हकृवि के स्थापना दिवस पर पदमश्री पाने वाले पूर्व वैज्ञानिकों, समाजसेवी, सेना अधिकारी व प्रगतिशील किसानों को किया जाएगा सम्मानित

पुस्तक प्रदर्शनी, नई प्रयोगशाला व नवीनीकरण से जुड़ी परियोजनाओं का किया जाएगा उद्घाटन

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस पर कृषि व अन्य क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर पदमश्री पुरस्कार पाने वाले 10 पूर्व वैज्ञानिकों, समाजसेवी, सेना अधिकारी व प्रातिशील किसानों को कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज सम्मानित करेंगे। दो फरवरी को हकृवि के स्थापना दिवस पर अनेक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिनमें 2 व 3 को पुस्तक प्रदर्शनी, विश्वविद्यालय में बनी नई प्रयोगशाला और फ्लैचर भवन व कैंपस स्कूल के सभागार एवं पुस्तकालय के नवीनीकरण से जुड़ी परियोजनाओं का उद्घाटन किया जाएगा।

विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. बलवान सिंह मंडल ने बताया कि चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस पर पदमश्री पुरस्कार विजेताओं को सम्मानित किया जाएगा, जिसमें विश्वविद्यालय से जुड़े पूर्व वैज्ञानिक डॉ. आर.सी सिहाग, डॉ. हरिओम व पूर्व कुलपति डॉ. जे.बी. चौधरी और गन्ना प्रजनक डॉ. बक्शी राम यादव भी शामिल है। इसके अलावा हरियाणा कला परिषद के निदेशक महाबीर सिंह गुड्डू, सामाजिक कार्यकर्ता गुरविंदर सिंह, तीन प्रगतिशील किसान जिनमें करनाल स्थित नीलोखेड़ी निवासी सुल्तान सिंह भुटाना, सोनीपत स्थित अटरीना निवासी कनवल सिंह चौहान व पानीपत निवासी नरेंद्र डिडवारी शामिल है और हकृवि के एल्युमिनाई विशिष्ट सेना मेडल से सम्मानित मेजर जनरल प्रमोद बतरा भी सम्मानित किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि कृषि, कला व समाज सहित अन्य क्षेत्र में बेहतरीन कार्य करने पर चयनित विजेताओं को पदमश्री अवार्ड से सुशोभित किया गया था। सम्मान सम्मारोह का आयोजन मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के सभागार में आयोजित किया जाएगा। कुलसचिव ने बताया कि इसी कड़ी में 4 करोड़ की लागत से फ्लैचर भवन, 2.18 करोड़ की लागत से कैंपस स्कूल के सभागार व पुस्तकालय के हुए नवीनीकरण परियोजनाओं और विश्वविद्यालय के मत्स्य महाविद्यालय में 53 लाख रुपये की लागत में बनी नई स्नातक प्रयोगशाला का उद्घाटन कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज द्वारा उद्घाटन किया जाएगा। दो दिवसीय पुस्तक प्रदर्शनी में सामान्य पाठक भी खरीद सकेंगे पुस्तकेंपरिग्रहण विभाग के अध्यक्ष डॉ. राजीव कुमार पटेरिया ने बताया कि विश्वविद्यालय के नेहरू पुस्तकालय में 2 व 3 फरवरी को पुस्तक प्रदर्शनी लगाई जाएगी, जिसमें एग्रीकल्चरल साइंसेज, एग्रीकल्चरल इंजीनियरिंग, अग्रि-बिजनेस, अलाइड साइंसेज, फूड साइंस एंड टेक्नोलॉजी, होम साइंसेज, फिशरीज व जनरल नॉलेज इत्यादि विषयों की पुस्तकों को प्रदर्शित किया जाएगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठक पक्ष	31.01.2024	--	--

हकृवि ने विकसित की गेहूं की दो पानी व मध्यम खाद में अधिक उपज वाली नई किस्म डब्ल्यू एच 1402

हरियाणा के साथ अन्य राज्यों के किसानों को भी मिलेगा लाभ : कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 31 जनवरी : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के गेहूं एवं जौ अनुभाग के द्वारा दो पानी व मध्यम खाद में अधिक उपज देने वाली गेहूं की एक नई किस्म डब्ल्यू एच 1402 ईजाद की गई है। यह किस्म भारत के उत्तर पश्चिमी मैदानी भाग के लिए चिन्हित की गई है, जिसमें पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, दिल्ली, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड व जम्मू-कश्मीर का मैदानी भाग आता है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने यह जानकारी देते हुए बताया कि विश्वविद्यालय के गेहूं एवं जौ अनुभाग के वैज्ञानिकों की टीम ने गेहूं की एक नई किस्म डब्ल्यू एच 1402 विकसित की है। इस किस्म की दो पानी में ही औसत उपज 50 क्विंटल प्रति हैक्टेयर व अधिकतम उपज 68 क्विंटल प्रति हैक्टेयर तक ली जा सकती है। उन्होंने बताया कि यह किस्म पीला रतुआ, भूरा रतुआ व अन्य बीमारियों के प्रति रोगरोधी है। साथ ही यह किस्म कम पानी वाले क्षेत्र की अच्छी किस्म एनआईएडब्ल्यू 3170 से 7.5 प्रतिशत अधिक पैदावार देती है।

कुलपति ने बताया कि गेहूं की एक नई किस्म डब्ल्यू एच 1402 सिंचित सीमित, कम उपजाऊ व कम पानी वाले क्षेत्रों के लिए राष्ट्रीय स्तर पर निकाली गई है। इस किस्म की अधिकतम उपज प्राप्त करने के लिए शुद्ध नाइट्रोजन 90, फास्फोरस 60, पोटाश 40, जिंकसल्फेट 25 किलोग्राम प्रति हैक्टेयर प्रयोग की सिफारिश की जाती है। उन्होंने बताया कि किसान भाई दो पानी में ही अधिक उपज ले सकते हैं, क्योंकि दिन प्रतिदिन भू-जल अधिक दोहन के कारण नीचे जा रहा है। अतः यह नई किस्म कम पानी वाले क्षेत्रों के लिए वरदान साबित होगी।

डब्ल्यू एच 1402 की बिजाई का उचित समय व बीज की मात्रा

कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एस.के.पाहुजा ने बताया कि गेहूं की एक नई किस्म डब्ल्यू एच 1402 किस्म की बिजाई का उचित समय अक्तूबर के अंतिम सप्ताह से नवंबर का पहला सप्ताह है तथा बीज की मात्रा 100 किलोग्राम प्रति हैक्टेयर है। इस किस्म को दो पानी जिसमें पहला पानी बीजाई के 20-25 दिन बाद शिखर जड़ निकलते समय व दूसरा पानी बीजाई के 80-85 दिन बाद बालियां निकलते समय देने की जरूरत है।

गेहूं की नई किस्म डब्ल्यू एच 1402 किस्म की विशेषताएं

गेहूं एवं जौ अनुभाग के प्रभारी डॉ. पवन ने बताया कि गेहूं की नई किस्म डब्ल्यू एच 1402 किस्म

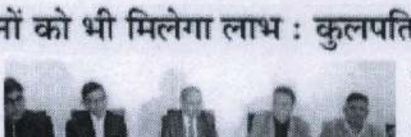

100 दिन में बालियां निकलती हैं तथा 147 दिन में पककर तैयार हो जाती है। इस किस्म की बालियां लंबी (14 सेंटीमीटर) व लाल रंग की हैं। इस किस्म की ऊंचाई 100 सेंटीमीटर है जिससे इसके गिरने का खतरा न के बराबर है। इस किस्म का दाना मोटा है। इसमें 11.3 प्रतिशत प्रोटीन, हेक्टोलीटर वेट (77.7 किग्रा/एचएल) लौह तत्व (37.6 पीपीएम), जिंक (37.8 पीपीएम) है। अतः पौष्टिकता के हिसाब से यह किस्म अच्छी है।

गेहूं एवं जौ अनुभाग के इन वैज्ञानिकों की मेहनत का है परिणाम

विश्वविद्यालय के गेहूं एवं जौ अनुभाग के वैज्ञानिकों की टीम ने गेहूं की एक नई किस्म डब्ल्यू एच 1402 विकसित की है। इस टीम में डॉ. एम.एस. दलाल, ओपी बिश्नोई, विक्रम सिंह, दिव्या फोगाट, योगेन्द्र कुमार, एसके पाहुजा, सोमवीर, [illegible], भगत सिंह, रेणु मुंजाल, प्रियंका, पूजा गुप्ता व पवन कुमार का इस किस्म को विकसित करने में अहम योगदान रहा।

विश्वविद्यालय ने गत 3 वर्षों में निम्नलिखित किस्में अनुमोदित व चिन्हित की

विश्वविद्यालय ने गत 3 वर्षों में विभिन्न फसलों की 23 किस्में अनुमोदित की हैं जिनमें गेहूं की डब्ल्यूएच 221 व डब्ल्यू एच 1270, बाजरा की एचएचबी 67 संशोधित-2, सरसों की आरएच 1424 एवं आरएच 1706, चना की एचसी 6, जौ की बीएच 160, मक्का की अंतर संकर एचएम 4 (शिशु) एवं एचक्यूपीएम 1 संशोधित, ज्वार की सीएसवी 53 एफ, एचजे 1514 व हाइब्रिड एचजेएच 1513, जई की एचएफओ 427, एचएफओ 529, एचएफओ 607, एचएफओ 611, एचएफओ 707, एचएफओ 806, सन की एचएस 1428 व एचएस 1426, बाजरा की एचएचबी-2, चौलाई एचएएम-4, करेला की एचकेआर 56 शामिल हैं।

इसके अलावा इन किस्मों में गेहूं की डब्ल्यू एच 1402, सरसों की आरएच 1975, मूंग की एमएच 1762 व एमएच 1772, जई की एचएफओ 906 और मसूर की एलएच 17-19 शामिल हैं जो जल्द ही अनुमोदित हो जाएंगी।

साथ ही 15 अतिरिक्त किस्में चिन्हित हो चुकी हैं जिनमें मक्का की एचक्यूपीएम-28 (चारा) व एचक्यूपीएम-29 (अनाज), चने की [illegible] 176, जई की एचएफओ 915, एचएफओ 917 एवं एचएफओ 1014, बाजरा की एचएचबी-3, धान की एचकेआर 49, [illegible] की एचके 5, अश्वगंधा की एचएएसजी-1, मूंगफली की जीएनएच 804 और मिर्च की एचसी 13-11-3, मक्का की अंतर संकर तीन किस्में एचएम 17 और 16, एचएम 17 और 17 व एचएम 4-2 किस्में चिन्हित करवाई गई हैं।